भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

मौसम केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश
ईमेल / Email : mausambhopal@gmail.com

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNEMENT OF INDIA

Meteorological Centre, Bhopal, Madhya Pradesh
संपर्क / Phone : 755-2551496

रविवार, 3 अगस्त 2025
Sunday, 3 August 2025

प्रेस विज्ञप्ति – उत्तर मध्य प्रदेश में 24 घंटों के दौरान अतिवर्षा

Press Release : Intense Wet Spell over North Madhya Pradesh during 24 hours

जारी करने का समय – 13:00 भा.मा.स.
Time of Issue: 13:00 IST

वर्षा के प्रमुख आंकड़े (मिमी में) – हनुमना 120.4, त्योंथर 110.0, मानपुर 87.5, अमानगंज 80.2, नईगढ़ी 80.0, गुढ़ 80.0, सिहावल 79.4, चित्रंगी 76.2, मझगांव 74.8, मझौली 74.0, बिलासपुर 72.2, टीकमगढ़ 67.0, पवई 65.0, मऊगंज 64.0, अमरपाटन 61.0, बिलहरी 60.0, गुन्नौर 54.0, गैरतगंज 52.8, सिमरिया 52.0, आरोन 50.0, राघौगढ़ 47.0, रीवा-हुजूर 41.0, बजाग 40.0, सिरोंज 37.0, चुरहट 36.0, उदयपुरा 34.0, सरई 32.4, पोरसा 32.0, रायपुर कर्चुलियान 32.0, बड़वारा 31.0, देवसर 28.4, बिजावर 28.0, मैहर 26.4, उंचेहरा 25.3, बादामलहेरा 25.2, जवा 25.0, सतना 25.0, बरहाई 25.0, बिजुरी 23.8, ढीमरखेड़ा 23.0, गंज बासौदा 23.0, कटनी 22.4, रामपुर बाघेलान 21.4, बलदेवगढ़ 21.0, रामपुर 20.6, बहोरीबंद 20.2, बीरसिंहपुर 20.2, अजयगढ़ 19.4, सोहावल 19.0, सिधी 19.0, उमरिया 18.4, रीवा-शहर 17.7, स्लीमानाबाद 17.0, खरगापुर 17.0, मझौली 16.4, नागौद 16.2, उमरियापान 16.0, ब्योहारी 15.0, कुसमी 15.0, करकेली 14.9, रीठी 14.6, राणापुर 13.1, देवेंद्रनगर 13.0, बाजना 13.0, सेमरिया 13.0, वेंकटनगर 12.5, जैसो 12.2, मनगवां 12.0, गोहपारू 12.0, लटेरी 10.4, रामनगर 10.0, सिहोरा 9.1, बेनीबारी 8.8, बमोरी 8.3, भाभरा 8.0, लालबर्रा 8.0, सेंवढ़ा 8.0, बरही 8.0, बकाल 8.0, सिंगरौली 7.5, माड़ा 7.4, गोहद 7.0, चाचौड़ा 7.0, निवाड़ी 7.0, चंदिया 6.8, पाटन 6.3, केसली 6.2, रायपुरा 6.0, डिंडोरी 5.2, विजयराघवगढ़ 5.0, सिरमौर 5.0, जयतपुर 5.0.

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां

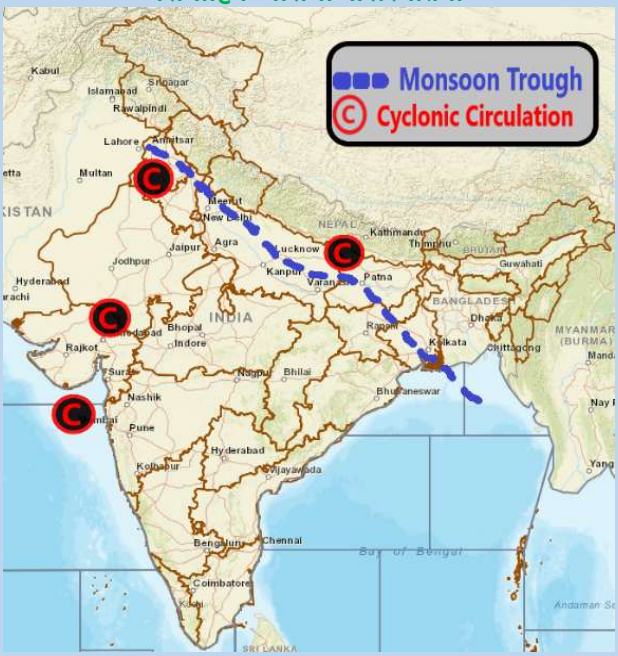

Synoptic Weather Systems

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां

- वर्तमान में **मानसून ट्रफ़** माध्य समुद्र तल पर अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुरा, कैनिंग से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है।
- एक ऊपरी हवा का **चक्रवातीय परिसंचरण** उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे निकटवर्ती उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश पर बना हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकते हुए माध्य समुद्र तल से 4.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।
- एक ऊपरी हवा का **चक्रवातीय परिसंचरण** पंजाब और निकटवर्ती क्षेत्रों पर माध्य समुद्र तल से 4.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।
- एक ऊपरी हवा का **चक्रवातीय परिसंचरण** उत्तरी गुजरात और उससे निकटवर्ती दक्षिण राजस्थान पर माध्य समुद्र तल से 3.1 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।
- एक ऊपरी हवा का **चक्रवातीय परिसंचरण** पूर्वोत्तर अरब सागर और आसपास के क्षेत्रों में माध्य समुद्र तल से 5.8 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।

Synoptic Weather Systems

- The **Monsoon Trough** at mean sea level passed through Amritsar, Chandigarh, Shamli, Shahjahanpur, Lucknow, Chapra, Bankura, Canning and thence southeastwards to the northeast Bay of Bengal.
- The upper air **Cyclonic Circulation** lay over northwest Bihar & adjoining northeast Uttar Pradesh and extended upto 4.5 km above mean sea level tilting southwestwards with height.
- The upper air **Cyclonic Circulation** lay over Punjab & neighbourhood persisted & extended upto 4.5 km above mean sea level.
- An upper air **Cyclonic Circulation** lay over north Gujarat & adjoining south Rajasthan at 3.1 km above mean sea level.
- The upper air **cyclonic circulation** over northeast Arabian sea & neighbourhood at 5.8 km above mean sea level persisted.

मौसम का पूर्वानुमान **(Weather Forecast & Warnings)** दिनांक 03.08.2025 की प्रातः 8:30 से 04.08.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
अति भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	छतरपुर, टीकमगढ़
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कुछ स्थानों पर	शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सतना, पन्ना, निवाड़ी
झंझावत और वज्रपात	कुछ स्थानों पर	भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, दमोह, सागर, मैहर, पांढुर्णा

भारी / अति भारी वर्षा से खतरे वाले क्षेत्र

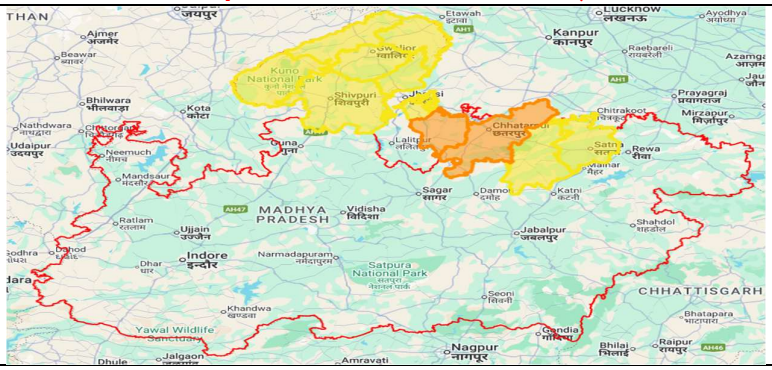

डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्रन / Dr. Divya E. Surendran
वैज्ञानिक – डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)
मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

Weather Forecast and Warnings from 3 August 2025 to 7 August 2025
3 अगस्त 2025 से 7 अगस्त 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 03/08/2025

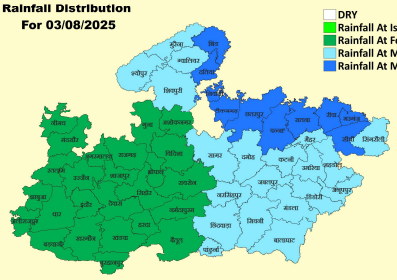

Warnings
For 03/08/2025

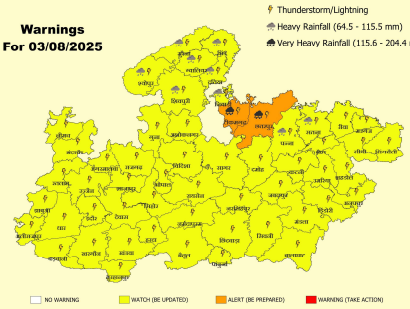

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 04/08/2025

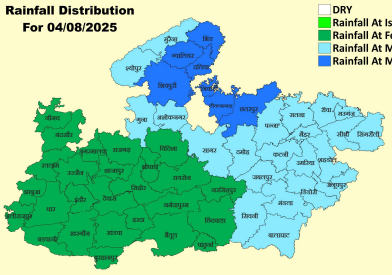

Warnings For
04/08/2025

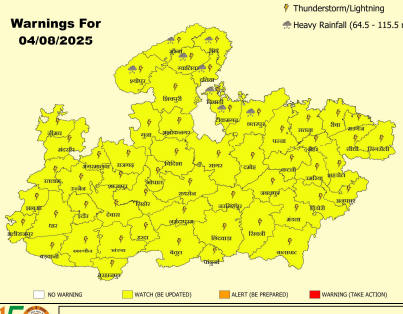

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 05/08/2025

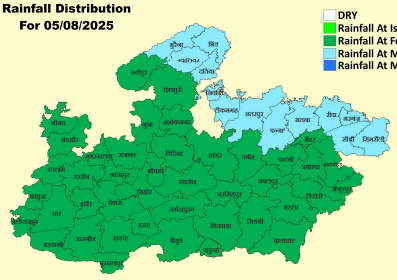

Warnings
For 05/08/2025

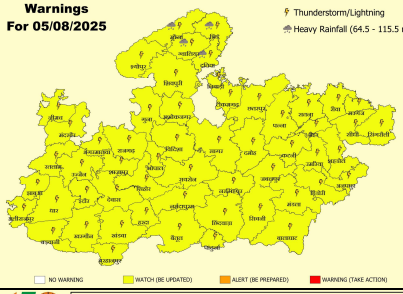

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 06/08/2025

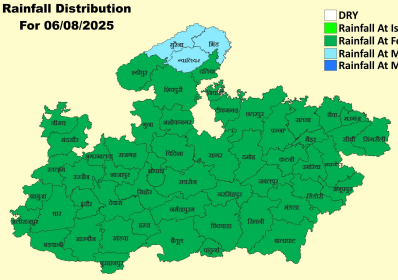

Warnings
For 06/08/2025

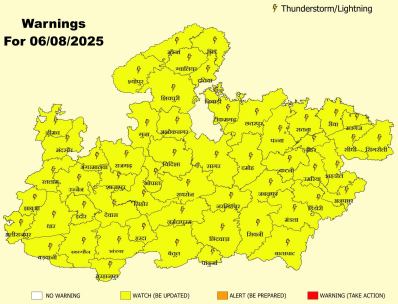

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 07/08/2025

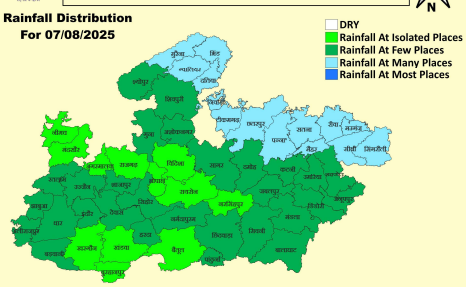

Warnings
For 07/08/2025

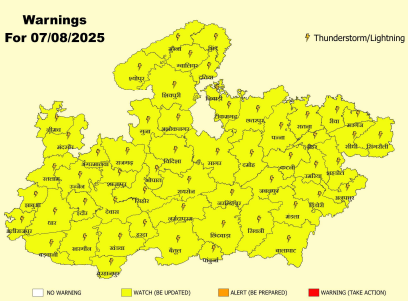

संकेत / Legends
कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds
भारी वर्षा (64.5 – 115.5 मी.मी.)/ Heavy Rainfall (64.5 – 115.5mm)
अतिभारी वर्षा (115.6 – 204.4 मी.मी.)/ Very Heavy Rainfall (115.6 – 204.4mm)
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. या अधिक) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)

भारी / अति भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के प्रभाव एवं सुझाव

बहुत भारी बारिश के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों और सुरंगों में बाढ़ आना । • खानों एवं खदानों में पानी भरना । • नदियों, झरनों एवं जलाशयों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • कच्चे, असुरक्षित तथा अस्थायी ढांचों को मध्यम क्षति । • नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान । • बहुत भारी बारिश के दौरान जलमग्न तथा फिसलन भरी सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क/रेल/जल परिवहन में मामूली/मध्यम व्यवधान हो सकता है। • बहुत पुरानी इमारतों और असुरक्षित संरचनाओं आदि के लिए खतरे की संभावना। • जल अतिप्रवाह के कारण नालों और मौसमी वर्षा आधारित जलधाराओं पर निचले पुलों और सड़कों का आंशिक/अस्थायी रूप से बंद होना । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को मध्यम क्षति एवं कृषि को मामूली क्षति। • जीवन, पशुधन और संपत्ति को नुकसान के कुछ मामले।	• निचले एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों से दूर रहें। • आकस्मिक बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें और पेड़ों का आश्रय लेने से बचें। सुरक्षित/पक्के घरों के अंदर सुरक्षित आश्रय लें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों के आप्लावन मैदानों से दूर रहें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए या खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। • यातायात में अपेक्षित देरी के कारण पूर्व योजना बनाएं • नालों और मौसमी जलधाराओं से दूर रहें। • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी सड़कों एवं खराब दृश्यता की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। • अतिप्रवाहित पुलों और जलमग्न सड़कों एवं सुरंगों से बचें (या पार करते समय अत्यधिक सावधानी बरतें)। • जल परिवहन एवं खनन गतिविधियों का विवेकपूर्ण विनियमन • झरनों एवं जलाशयों के पास जाने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों एवं सुरंगों में जलजमाव / अस्थायी बाढ़ । • कच्चे, असुरक्षित एवं अस्थायी ढांचों को आंशिक क्षति । • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान । • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी कच्ची सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क यातायात में मामूली व्यवधान । • मौसमी नालों/नदियों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को को मामूली क्षति। • संपत्ति को नुकसान के कतिपय मामले।	• अचानक आने वाली बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें। • पक्के अथवा सुरक्षित मकानों में आश्रय लें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए अथवा खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक योजना बनाई जा सकती है। • यातायात में अपेक्षित देरी से बचने हेतु पूर्व योजना बनाएं। • मौसमी नदी-नालों से दूर रहें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों से दूर रहें। • गड्ढों, पोखरों एवं तालाबों जिनमे बाहर से पानी आता हो में नहाने से बचें।

झंझावत /वज्रपात/झोंकेदार हवाओं के दुष्प्रभाव एवं सुझाव

प्रभाव	सुझाव
• दृश्यता में कमी। • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान, यातायात प्रवाह में व्यवधान। • इमारतों, कमजोर संरचनाओं, कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को नुकसान हो सकता है। खिड़कियाँ टूट सकती हैं और छतें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं। • तेज झोंकेदार हवाओं/वज्रपात से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। • झंझावत /वज्रपात से विमान को गंभीर नुकसान हो सकता है। • पशुधन, वन्य जीवन और जनजीवन को क्षतिः खुले स्थानों पर लोगों, मवेशियों और वन्यजीवों को गंभीर चोट लग सकती है, घायल भी हो सकते हैं या उनकी मृत्यु भी हो सकती है।	• घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें। • बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें। • वाहन चलते समय सावधानी रखें। • सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें। कंक्रीट के फर्श पर न लेटें • और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें। • जलस्रोतों से तुरंत बाहर निकलें। • बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें। • घर में रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और यदि संभव हो, तो यात्रा से बचें।

स्वास्थ्य परामर्श :

- जल जनित और कीट जनित रोगों से बचाव के लिए सावधानी बरतें। फ़िल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी पीने और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रुके हुए पानी को हटाएं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा कम हो सके।
- मानसून में आमतौर पर सर्दी, खांसी और वायरल बुखार जैसी बीमारियाँ फैलती हैं, इसलिए इनके लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें और यदि लक्षण बने रहें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।
- हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को मानसून के दौरान अधिक नमी के कारण होने वाले जोखिमों को ध्यान में रखना चाहिए। वे नियमित रूप से अपना रक्तचाप जांचें और हृदय-स्वस्थ आहार का पालन करें।

कृषकों के लिए विशेष सलाह -

- बारिश प्रभावित क्षेत्रों में मौसम साफ होने और मिट्टी की नमी सामान्य होने तक बुआई की गतिविधियाँ टालें।
- फसल के खेतों और नर्सरी क्षेत्रों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें ताकि पानी न जमा हो।
- केवल उन्हीं स्थानों पर पुनः बुआई करें जहाँ अंकुरण असफल रहा हो और मिट्टी की स्थिति अनुकूल हो गई हो।
- युवा पौधों (जैसे टमाटर, बैंगन, मक्का आदि) को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- वर्षा के बाद सब्ज़ी फसलों में फफूंदी जनित रोगों से बचाव हेतु कवकनाशी (जैसे कॉपर ऑक्सीक्लोराइड) का छिड़काव करें।
- संग्रहीत अनाज व कृषि इनपुट (उर्वरक/बीज) को नमी से सुरक्षित रखें।
- पशुओं को सुरक्षित आश्रयों में रखें, उन्हें सूखा रखें और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं।
- पशु शेडों के आसपास चूना या ब्लीचिंग पाउडर छिड़कें ताकि गीली परिस्थितियों में संक्रमण का खतरा कम हो।